BL-18 FYBA (Hindi)
A-206

समय : ३ घंटे XY9DAC पूर्णांक : १००

प्रश्न - १) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :- (२०)

(क)

"चिंता - रहित खेलना - वह
फिरना निर्भय स्वच्छंद।
कैसे भूला जा सकता है
बचपन का अतुलित आनंद?"

अथवा

"ये सोच कर कि दरख्तों में छाँव होती है
यहाँ बबूल के साये में आ कर बैठ गये।"

(ख) "हूँ, सब झूठे ही हैं। तुम्हीं एक बड़े सच्चे हो। अच्छा एक बात पूछती हूँ। भला तुम्हारे जी में संतान की इच्छा क्या कभी नहीं होती?"

अथवा

"इस बार बापू के कानों में बड़े पोते की आवाज़ आयी। सिर ऊँचा किया, तो तीनों बेटों के साथ देहरी पर झुकी मेहरां दीख पड़ी। आँसुओं के गीले पूर में से धुँध बह गयी। मेहरां अब घर की बहू नहीं, घर की अम्मा लगती है।"

प्रश्न - २) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (३०)

(च) 'आया बसंत' कविता के माध्यम से मौसम परिवर्तन के उल्लास का चित्रण कीजिये।

अथवा

'कागज़, कलम और स्याही' कविता के भावार्थ को अपने शब्दों में लिखिए।

(छ) 'माता - विमाता' कहानी के माध्यम से दोनों स्त्रियों की मातृत्व भावना पर प्रकाश डालिये।

अथवा

'वे तीन घर' कहानी की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए।

XY9DAC

प्रश्न - ३) निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :- (१०)

(ट) 'हम जरुर जीतेंगे' कविता का शब्दार्थ।

अथवा

'जड़ें' कविता की मूल संवेदना।

(ठ) 'सजा' कहानी का मुन्नू।

अथवा

'हेरिटेज' कहानी का नत्थू।

प्रश्न - ४) निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए :- (१०)

१) सुभद्रा कुमारी चौहान की कविता का नाम लिखिये।

२) सोहनलाल द्विवेदी जी की कविता में किस मौसम के आने की बात हुई है?

३) कवि दुष्यंत कुमार ने कैसी चादर बिछा कर बैठने की बात की है?

४) कवि कुँवरनारायण कल को किसकी तरह लिखना चाहते हैं?

५) 'स्त्री' कविता के रचनाकार का नाम लिखिए।

६) मन्नू भंडारी जी की रचना का नाम लिखिए।

७) माता - विमाता कहानी में वर्णित बच्चा किसका था?

८) काशीनाथ सिंह जी ने कितने घरों की बात की है?

९) 'दादी अम्मा' किसकी रचना है?

१०) 'हैरिटेज' कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

प्रश्न - ५) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिये :- (१०)

१) एक महानगर की आत्मकथा।

२) यदि मैं मुख्यमंत्री होता।

३) भारत की शिक्षा नीति।

४) प्लास्टिक समस्या या समाधान।

X49DAc

प्रश्न - ६) (अ) सूचना के अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (१०)

१) निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए :-

१) स्त्री २) दादी

२) निम्नलिखित शब्दों के वचन परिवर्तन कीजिए :-

१) जड़ २) कलियाँ

३) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :-

१) वृक्ष २) आकाश

४) निम्नलिखित शब्दों के विलोमार्थी शब्द लिखिए :-

१) अमृत २) अच्छा

५) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिये :-

१) कलेजा मुँह को आना।

२) दाल में काला होना।

(आ) आपका मित्र कुछ दिनों से उदास - सा दिख रहा है। इस संबंध में उससे बातचीत करते हुए संवाद लेखन का नमूना तैयार कीजिये :- (१०)

अथवा

(आ) निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिये :- (१०)

वैदिक युग भारत का सबसे अधिक स्वाभाविक काल था। यही कारण है कि आज तक भारत का मन उस काल की ओर बार-बार लोभ से देखता है। वैदिक आर्य अपने युग को स्वर्णकाल कहते थे या नहीं, यह हम नहीं जानते; किंतु उनका समय हमें स्वर्णकाल के समान अवश्य दिखाई देता है। लेकिन जब बौद्ध युग का आरंभ हुआ, वैदिक समाज की पोल खुलने लगी और चिंतकों के बीच उसकी आलोचना आरंभ हो गई। बौद्ध युग अनेक दृष्टियों से आज के आधुनिक आंदोलन के समान था। ब्राहमणों की श्रेष्ठता के विरुद्ध बुद्ध ने विद्रोह का प्रचार किया था, बुद्ध जाति-प्रथा के

X49DAC

विरोधी थे और वे मनुष्य को जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ अथवा अधम मानते थे। नारियों को भिक्षुणी होने का अधिकार देकर उन्होंने यह बताया था कि मोक्ष केवल पुरुषों के ही निमित्त नहीं है, उसकी अधिकारिणी नारियाँ भी हो सकती हैं। बुद्ध निवृत्तिवादी थे, गृहस्थी के कर्म से वे भिक्षु-धर्म को श्रेष्ठ मानते थे।

प्रश्न –

(क) हम किस युग को स्वर्णकाल के रूप में देखते हैं?
(ख) किस युग के आरंभ से वैदिक समाज की पोल खुलने लगी?
(ग) जाति - प्रथा के प्रति बुद्ध के क्या विचार थे?
(घ) नारियों को भिक्षुणी होने का अधिकार दे कर बुद्ध ने क्या संदेश दिया?
(ड) बुद्ध किस धर्म को श्रेष्ठ मानते थे?

****